

आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज में किया फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन



जन सागर दुड़े (सं.)

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पेरियोडोन्टोलॉजी विभाग द्वारा फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम.डी.एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स सेंटर फर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग

(सी.एफ.ए.टी.) और प्याकोव स्टेट विश्वविद्यालय, रूस के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आई.टी.एस.-द एजुकेशन यूप के वाईस चेयरमैन, अपित चड्हा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसके उद्देश्य मरीजों के बीच दंत सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा मरीजों में चेहरे और दंत सौन्दर्य में वृद्धि-दंत चिकित्सा की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्षणों को प्राप्त करना एवं रोगी को सम्मान

उपचार प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ. शोर्य शर्मा थे जो एक दंत चिकित्सक के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स तथा ओरल इंस्लांटोलॉजी पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की हैं। वह एक ट्रेनर के साथ-साथ सेंटर फर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सी.एफ.ए.टी.) के अध्यक्ष भी है। कार्यक्रम के दैरान डॉ. शोर्य ने कार्यक्रम के अन्तर्गत चेहरे की सुंदरता को ज्यादा बढ़ाने

के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया।

इस कार्यक्रम में डॉ. अरुण श्रीनिवासन, एम.डी.एस. एवं उनकी टीम ने भी डॉ. शोर्य के सहयोगी के रूप में अपनी-अपनी भूमिका निभायी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को भविष्य में अभ्यास भर में डर्मल फिलर्स, ब्रेड लिफ्टर्स, लोजर हेपर रिडक्शन, योटाँक्स, केमिकल पील्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचारों को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के

इस फिलर्स और ब्लड हेसिटेटिव्स के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में ज्ञान प्रदान किया, जो दुनिया में रोगियों द्वारा उनके तकाल प्रभाव, उचित लागत और वितरण में आसानी, गैर-शल्य चिकित्सा के कारण उप्रबद्ध बदले की प्रक्रिया में सुधार के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किये जाते हैं। डॉ. शोर्य ने इस कार्यक्रम के माध्यम से एम.डी.एस. के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को एस्थेटिक मूल्यांकन, उपचार, उचित इंजेवशन अपित चड्हा को धन्यवाद दिया।

योग्य चयन, चेहरे के सौंदर्य बढ़ाने के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में नवीनतम ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए, कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन यूप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्हा तथा वाईस चेयरमैन अपित चड्हा को धन्यवाद दिया।



आईटीएस डेंटल कॉलेज में

फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन

कार्यक्रम

- 40 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल हुये।

अध्याह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के पेरियोडोन्टोलॉजी विभाग द्वारा 22 एवं 23 अगस्त को फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स सेंटर

फॉर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सीएफटी) और स्कोव स्टेट विश्वविद्यालय, रूस के सहयोग से आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम आईटीएस दंत एनुकेशन गृप के वाईस चेयरमैन अर्पित चहू के सहयोग से आयोजित किया गया



जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच दंत सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में



जागरूकता बढ़ाना तथा मरीजों में चेहरे और दंत सौन्दर्य में बढ़ि-दंत चिकित्सा की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्षणों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार

प्रदान करना है।

इस पाठ्यक्रम के गेम्स स्पीकर डा. शोर्य शर्मा थे जो एक दंत चिकित्सक के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल

एस्थेटिक्स तथा ओरल इंलाटोलॉजी पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की हैं। वह एक ट्रेन के साथ-साथ सेंटर फॉर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सीएफटी) के अध्यक्ष भी है। कार्यक्रम के दीर्घ डा. शोर्य ने कॉस्मेटिक डेंटिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुंदरता को ज्यादा बढ़ाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया।

इस कार्यक्रम में डा. अरुण निवासन, एमडीएस एवं उनकी टीम ने भी डा. शोर्य के सहयोगी के रूप में अपनी-अपनी भूमिका निभायी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को भविष्य में अप्यास में डर्मल फिलर्स, थ्रेड लिपट्स, लेजर हेयर रिडक्शन, बोर्टक्स, केमिकल पील्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचारों को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है।

इस कार्यक्रम के व्यापक रूप से डर्मल फिलर्स और ब्लड ड्रेनेटिक्स के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में रोगियों द्वारा उनके तत्काल प्रभाव, उचित लागत और वितरण में आसानी, गैर-शल्य चिकित्स के कारण उपचार के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किये जाते हैं।

डा. शोर्य ने इस कार्यक्रम के माध्यम से एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को एस्थेटिक मूल्यांकन, उपचार, उचित इंजेक्शन योग्य चयन, चेहरे के सौंदर्य बढ़ाने के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में नवीनतम ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समाप्त किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को संवेद्ध फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में जान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस दंत एनुकेशन गृप के चेयरमैन डा. आरपा चहू तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चहू को धन्यवाद दिया।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में फ्रेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन

प्राप्त अनुबंध समावाहन
गणित्याचाराद। आईटीएस० डेन्टल कॉलेज, पांजीयाचाराद के प्रतिगोदी-नोकोलोजी विभाग द्वारा दिनांक 22 एंड 23 अगस्त, 2022 को फ्रेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें निम्नों द्वारा विकासक, कलिङ्ग के पूर्व चार, संस्थान के द्वारा विकासक, एमटीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कलिङ्गों के भव्यालक भागिन थे। यह कोर्स नेटर फारि फ्रेशियल एस्थेटिक्स (सीओएस०एस०टी०) और व्यक्तिकृत विधियाल इंफ्रालोगोलॉजी पर आधारित है। यह कार्यक्रम आईटीएस०-द ग्रुप के जनन तृप्त के बाईच चेयरमैन, वी अपिं चड्डु के नहयोग से आधारित है। यह ग्रुप के साम-साथ मैंटर फौर फ्रेशियल एस्थेटिक्स ट्रैनिंग (सीओएस०एस०टी०) के आधार भी है। कार्यक्रम के नैयन डॉ जीर्ण ने ज्ञानांकन वर्धन तथा मरोजों वे चेहरे और दृष्टि विकास के बारे में विवरण दिए। इनके बाद विकासक की पाठ करने वाले भागिनों की प्रार्थितिक वैकल्पिक लक्षणों को प्राप्त करना एवं यांगों का समाझ उपचार प्रत्यन करना है।

इस कार्यक्रम के नेटर स्पीकर डॉ शांख शास्त्री थे जो एक द्वारा विकासक के बाय-बाय नर्न-त्रांस्फ्रॉर वक्ता भी है। विनोंने फ्रेशियल एस्थेटिक्स विधि और लैपलाटोलॉजी पर इस उपचार की अनेकों कार्यक्रमार्थ की दी। यह एक द्वेष के साम-साथ मैंटर फौर फ्रेशियल एस्थेटिक्स ट्रैनिंग (सीओएस०एस०टी०) के आधार भी है। कार्यक्रम के नैयन डॉ जीर्ण ने कार्यक्रम के अनार्थ वहार को सुनारता का ज्ञानांकन के लिए विविध विकासक के बारे में भी व्यक्तिभागियों को समझाया। इस कार्यक्रम में डॉ अरुण श्रीनिवासन, एमटीएस०एस०टी० एवं उनकी टीम ने भी डॉ जीर्ण के सहायी के रूप में अपनी-अपनी भूमिका निभायी। इस वर्धन क्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को

भविष्य में अभ्यास में उद्योग फिल्मर्स, ब्रेद लिप्टर्स, नेतर फैर इडिक्शन, चारौक्स, कैमिकल फैल्स और अन्य विशेषज्ञ एस्थेटिक्स उपचारों को सफलतामूर्चक एकीकृत करने के लिए तैयार करता है। इस कार्यक्रम में व्यापक रूप से उद्योग फिल्मर्स और ब्रेद लिप्टर्स के लिए अनुप्रयोगों के बारे में ज्ञान प्रदान किया, जो नुसिया घर में भेगियों द्वारा उनके तत्काल प्रभाव, ऊपरित लागत और वितरण व जासानी, गैर-ज्ञान विकासक के कारण उपचार की प्रक्रिया में सुधार के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। डॉ जीर्ण ने इस कार्यक्रम के माध्यम से

एमटीएस०एस०टी० के विद्यार्थियों और अन्य दृष्टि प्रक्रियाओं को एस्थेटिक्स मूल्यांकन, उपचार, औपेत इनकासन ज्ञान वान, वे होके गैर्टर्न बढ़ाने के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में ज्ञानांकन ज्ञानवान व्यक्ति आयोजन के लिए संस्कार को बनावान देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम सभी प्रतिभागियों को सर्वशेष फ्रेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ। जिसके लिये सभी न आईटीएस०एस०टी० एवं उनके जनन तृप्त के चेयरमैन डॉ आरुणी चड्डु तथा वाईस चेयरमैन वी अपिं चड्डु का बनावान किया।

आईटीएस में फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के मॉड्यूल का हुआ आयोजन

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पेरियोडोन्टोलॉजी विभाग द्वारा 22 एवं 23 अगस्त को फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स सेंटर फॉर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सीएफएटी) और प्सकोव स्टेट विश्वविद्यालय रूप के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच दंत सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा मरीजों में चेहरे और दंत सौन्दर्य में वृद्धि-दंत चिकित्सा की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान



करना है।

इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ. शौर्य शर्मा थे जो एक दंत चिकित्सक के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स तथा ओरल इंप्लांटोलॉजी पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की हैं। वह एक ट्रेनर के साथ-साथ सेंटर फॉर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सीएफएटी) के अध्यक्ष भी है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. शौर्य ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुंदरता को ज्यादा

बढ़ाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस कार्यक्रम में डॉ. अरुण श्रीनिवासन, एमडीएस एवं उनकी टीम ने भी डॉ. शौर्य के सहयोगी के रूप में अपनी-अपनी भूमिका निभायी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को भविष्य में अभ्यास में डर्मल फिलर्स, श्रेड लिफ्ट्स, लेजर हेयर रिडक्शन, बोटोक्स, कैमिकल पीलिंग और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचारों को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये

तैयार करना है। इस कार्यक्रम ने व्यापक रूप से डर्मल फिलर्स और ब्लड डेरिवेटिव्स के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में ज्ञान प्रदान किया, जो दुनिया भर में रोगियों द्वारा उनके तत्काल प्रभाव, उचित लागत और वितरण में आसानी, गैर-शल्य चिकित्सा के कारण उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में सुधार के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किये जाते हैं। डॉ. शौर्य ने इस कार्यक्रम के माध्यम से एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को एस्थेटिक मूल्यांकन, उपचार, उचित इंजेक्शन यांग चयन, चेहरे के सौन्दर्य बढ़ाने के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में नवीनतम ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्हा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा को धन्यवाद दिया।

40 प्रतिभागियों ने जानी डेंटल सर्जरी की बारीकियां

■ एनबीटी न्यूज, मुरादनगर : दिल्ली-मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में पेरियोडोन्टोलॉजी विभाग की ओर से दो दिवसीय फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इसमें भाग लेने वालों में निजी दंत चिकित्सक, पूर्व छात्र, दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक समेत 40 प्रतिभागी शामिल थे। यह कार्यक्रम आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्हा के सहयोग से किया गया। गेस्ट स्पीकर डॉ. शौर्य शर्मा, डॉ. अरुण श्रीनिवासन आदि मौजूद रहे।



आईटीएस डेन्टल कॉलेज में फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन



हिन्द आत्मा संवाददाता

गांधीजयन्त्राद। आइटोएस इन्स्टी
कॉलेज गांधीजयन्त्राद के
परियोगोंनंदेश्वरीजी विषयाग्राम 22 एवं
2.3 अम्बत के फैशियल पर्याप्तिक्स
कौशिक के पाच्छेमाध्यक्ष का आवृत्त
किया गया। इस कार्यक्रम में 40
प्रतिभागियोंने भाग लिया जिनमें निची



दूरी शायद शामी है। वे एक दृढ़ चिकित्सक के साथ-साथ अनेकार्थी योगा भी है। विषयों में फैलायत के लिए एक्सोटिक वर्षा की अनेक इंजीनियरिंग विधियाँ प्रयोग की जाती हैं। वे एक दूर के साथ-साथ सेवर पोर विद्युतीय एक्सेस के लिए दिनिगम (सीएफडी) के आवश्यक भी हैं। बालकम के द्वारा दूसरी तरफ नेट का सापेक्ष इंटरफ़ेस के अन्तर्गत



और विवाह में असारा, गैर-हास्य प्रिक्लिन्स के काम से उड़वी की जिक्रों में सुधर के तरफ से इनका रूप है और यह एक दृष्टि से द्वितीय विवाह जैसा है। शीर्ष से इस कार्बोक्सिक के गोप्याम से प्रमाणीत होने वाली विवाहितों को अब अन्य विवाहितों को एकीकृत मूल्यांकन, उच्चार, विनाश विवाह से उत्पन्न विवाह, बोर्डर विवाह विवाह से उत्पन्न विवाह के रूप में विवरण किया जाता है।

की सुरक्षा को न्याय बहाने के विभान विकल्पों के बारे में सभी विचारणों को महसूल करने का महसूल है।

तेजराम हेय यिद्विकामन,
मैकला पाल्म और अन्य
विकामन उपर्युक्त के
एकीकृत करने के लिये
एक इस विकामन को खोया
लिया गया। अब इस
लिया गया और अब
उन अनुभवों को घोर
दिलाना। इस विकामन
पर थे एंट्रोपी
विकामन प्राप्त, विकामन
विकामन प्राप्त, विकामन

नवर्धक मैच के आयोजन
नान को धन्यवाद देते हुए प्रभालन किया। इस कार्यक्रम के बाद गोपनीय श्री विजयलक्ष्मी चार के बारे में ज्ञान प्राप्ति के लिये सभी ने आईटीएस पर्स पके चेयरमैन डॉ. अरपणा इस चेयरमैन अधिकत चढ़ा दिया।

उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड से प्रकाशित, गाजियाबाद, गौतमधुनगर, नेट्र, लापुड, दिल्ली, लखनऊ में प्रसारित,

@manasvi_vani

www.manasvivani.com

मनस्वी वाणी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 7 अंक : 118 पृष्ठ : 6 मूल्य : 2 रु. गाजियाबाद, बुधवार, 24 अगस्त, 2022 RNI No. UPHIN/2016/67940



: manasvivani@gmail.com

8285002838

Raja Travels & Car Bazar
Since 1995
Taxi Service, Air & Rail Tickets
Sale & Purchase Of Used Cars
WE VALUE YOUR CAR...
 CarTrade...
 carwale
 Pricewatch
Contact : 9811172512, 9891041444
LOHIA NAGAR / NEW ARYA NAGAR (GHAZIABAD)

आपका विश्वास हमारी पहचान

आईटीएस में दो दिवसीय फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स का आयोजन

कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों
ने लिया भाग, सीखी नई
पद्धति

गनस्वी वाणी, संवाददाता

मुगदनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पेरियोडोन्टोलॉजी विभाग द्वारा दो दिवसीय फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मौद्दूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। कार्यक्रम आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्हा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच दंत सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा मरीजों में चेहरे और दंत सौन्दर्य में वृद्धि-दंत



चिकित्सा की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ० शोर्य शर्मा थे जो एक दंत चिकित्सक के साथ-साथ अन्तरराष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स तथा ओरल

इंप्लांटोलॉजी पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की हैं। वह एक ट्रेनर के साथ-साथ सेंटर फॉर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सीएफएटी) के अध्यक्ष भी है। कार्यक्रम के दौरान डॉ० शोर्य ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुंदरता को ज्यादा बढ़ाने के लिए

विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। कार्यक्रम में डॉ० अरुण श्रीनिवासन, एमडीएस एवं उनकी टीम ने भी डॉ० शोर्य के सहयोगी के रूप में अपनी-अपनी भूमिका निभायी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को भविष्य में अभ्यास में डर्मल फिलर्स, थ्रेड

लिफ्ट्स, लेजर हेयर रिडक्शन, बोटॉक्स, केमिकल पील्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचारों को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है। इस कार्यक्रम ने व्यापक रूप से डर्मल फिलर्स और ब्लड डेरिवेटिव्स के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में ज्ञान प्रदान किया, जो दुनिया भर में रोगियों द्वारा उनके तत्काल प्रभाव, उचित लागत और वितरण में आसानी, गैर-शल्य चिकित्सा के कारण उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में सुधार के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किये जाते हैं। डॉ० शोर्य ने इस कार्यक्रम के माध्यम से एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को एस्थेटिक मूल्यांकन, उपचार, उचित इंजेक्शन योग्य चयन, चेहरे के सौन्दर्य बढ़ाने के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में नवीनतम ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समाप्त किया।

आईटीएस डेन्टल कॉलेज में मॉड्यूल का आयोजन



गाजियाबाद वर्तमान सत्ता। आईटीएस० डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पेरियोडोन्टोलॉजी विभाग द्वारा दिनांक 22 एवं 23 अगस्त, 2022 को फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के पांचवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एम०डी०एस के विद्यार्थी और विभिन्न कॉलेजों के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स सेंटर फॉर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सी०एफ०ए०टी०) और प्सकोथ स्टेट विश्वविद्यालय, रुस के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आईटीएस०-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अपित चड्हा के सहयोग से आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य मरीजों के शीघ्र दंत सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा मरीजों में चेहरे और दंत सौन्दर्य में वृद्धि-दंत चिकित्सा की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ० शौर्य शर्मा थे जो एक दंत चिकित्सक के साथ-साथ अन्तर्राष्ट्रीय वक्ता भी है। जिन्होंने फेशियल एस्थेटिक्स तथा ओरल इंप्लांटोलॉजी पर इस तरह की अनेकों कार्यशालाएं की है। वह एक ट्रेनर के साथ-साथ सेंटर फॉर फेशियल एस्थेटिक्स ट्रेनिंग (सी०एफ०ए०टी०) के अध्यक्ष भी है। कार्यक्रम के दौरान डॉ० शौर्य ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुंदरता को ज्यादा बढ़ाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को समझाया। इस कार्यक्रम में डॉ० अरुण श्रीनिवासन, एम०डी०एस० एवं उनकी टीम ने भी डॉ० शौर्य के सहयोगी के रूप में अपनी-अपनी भूमिका निभायी। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को भविष्य में अभ्यास में डर्मल फिलर्स, थ्रेड लिपट्स, लेजर हेयर रिडक्शन, बोटोक्स, केमिकल पील्स और अन्य फेशियल एस्थेटिक्स उपचारों को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिये तैयार करना है। इस कार्यक्रम ने व्यापक रूप से डर्मल फिलर्स और ब्लड डेरिखेटिव्स के उन्नत अनुप्रयोगों के बारे में ज्ञान प्रदान किया, जो दुनिया भर में रोगियों द्वारा उनके तत्काल प्रभाव, उचित लागत और वितरण में आसानी, गैर-शल्य चिकित्सा के कारण उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में सुधार के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किये जाते हैं। डॉ० शौर्य ने इस कार्यक्रम के माध्यम से एम०डी०एस० के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों को एस्थेटिक मूल्यांकन, उपचार, उचित इंजेक्शन योग्य घयन, चेहरे के सौंदर्य बढ़ाने के उपचार की प्रक्रियाओं के बारे में नवीनतम ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समाप्त किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस०-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ० आर०पी० चड्हा तथा वाईस चेयरमैन श्री अपित चड्हा को धन्यवाद दिया।